

डिफेंस टेक्नॉलजी में यूपीडा की मदद करेंगे IIT कानपुर-बीएचयू

■ **NBT रिपोर्ट, लखनऊ :** राज्य में बन रहे डिफेंस कॉरिडोर में रक्षा क्षेत्र की कंपनियां सिर्फ मैनुफैक्चरिंग यूनिट ही नहीं लगाएंगी, बल्कि रक्षा क्षेत्र में इस्तेमाल होने वाली टेक्नॉलजी को भी बढ़ावा देगी। इसके लिए यूपीडा आईआईटी जैसे संस्थानों के साथ सहयोग बढ़ाएगा। डिफेंस टेक्नॉलजी में नए इनोवेशन और रिसर्च को बढ़ावा देने के लिए यूपीडा ने आईआईटी कानपुर और आईआईटी बीएचयू के साथ मिलकर काम करेगा। इसके लिए सेंटर ऑफ एक्सिलेंस की स्थापना की गई है।

डिफेंस कॉरिडोर में रक्षा क्षेत्र की कंपनियों को बढ़ावा देने और नई टेक्नॉलजी पर काम करने के लिए राज्य सरकार ने आईआईटी कानपुर के साथ मिलकर सेंटर ऑफ एक्सिलेंस विकसित किया गया है। इस सेंटर ऑफ एक्सिलेंस में ड्रोन, ऑटोनॉमस सिस्टम्स और क्लाउड सीडिंग जैसी उभरती टेक्नॉलजी पर काम करेगा। वहीं, आईआईटी बीएचयू का सेंटर

आईआईटी कानपुर ड्रोन, तो IIT बीएचयू प्रिंसीपल इंजिनियरिंग पर करेगा काम

■ इनोवेशन और रिसर्च के लिए बनाए गए सेंटर ऑफ एक्सिलेंस



बंगलुरु में हुई समिट में यूपी ने लिया हिस्सा

डिफेंस कॉरिडोर में नई कंपनियां निवेश करें, इसके लिए उत्तर प्रदेश ने बंगलुरु में आयोजित 15वें डिफेंस ऐंड एयरोस्पेस स्ट्रैटेजिक इलेक्ट्रॉनिक्स समिट-2026 में हिस्सा लिया। उद्घाटन सत्र की पैनल चर्चा में UPDIC के मुख्य महाप्रबंधक कर्नल सजय सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश को रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स, एयरोस्पेस सिस्टम और उन्नत विनिर्माण का राष्ट्रीय केंद्र बनाने की दिशा में तेजी से काम हो रहा है। समिट के दौरान बताया गया कि भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (BEL) के अधिकारियों ने बताया कि डिफेंस कॉरिडोर के चित्रकूट नोड में कंपनी को जमीन अलॉट की गई है।

ऑफ एक्सिलेंस स्मार्ट मैटेरियल्स, सेंसर मैटेरियल्स, प्रिंसीपल इंजिनियरिंग, कम्पोजिट्स और डिफेंस आर्किटेक्चर जैसे क्षेत्रों में अडवांस टेक्नॉलजी पर काम करेगा। इसके अलावा आईआईटी

कानपुर रिसर्च ऐंड टेक्नॉलजी पार्क यूपीडा के साथ मिलकर कम्यूनिकेशन प्रणालियों, स्पेस टेक्नॉलजी के क्षेत्र में इनोवेशन और टेक्नॉलजी को बढ़ावा देने पर काम करेगा।